Date
Page

A.B.M. college, Golmuri, JSR

2nd year INTER

Hindi ELECTIVE

Ch = 05

गद्य खण्ड

पाठ का नाम :- सुमिरिनी के मनके

लेखक :- पंडित चंद्रधर शर्मा गुलेरी

Q. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

Q. 1. लेखक ने धर्म का रहस्य जानने के लिए किसका दृष्टांत दिया है?

Ans घड़ी के पुर्जे का दृष्टांत।

Q. 2 धर्म ग, वेदशास्त्र तथा धर्माचार्यों को किसकी जानकारी होती है?

Ans धर्म की।

Q. 3 घड़ी के पुर्जों की जानकारी किसे होती है?

Ans घड़ी साज को।

Q. 4 'कान हलकाकर' का क्या अर्थ है?

Ans कान खोलकर।

Q. 5 लेखक को कहाँ बुलाया गया था?

Ans एक पाठशाला के वार्षिकोत्सव में।

Q.6 धर्म के दस लक्षण और नौ रसों के उदाहरण किसने दिए ?

Ans आठ वर्ष के बालक ने।

Q.7 कोल्हू क्या होता है ?

Ans तेल निकालने का एक यंत्र।

Q.8 "मर्चेंट ऑफ वेनिस" के लेखक कौन हैं ?

Ans शेक्सपीयर।

Q.9 "दुर्लभ - बंधु" नाटक में कितनी पेटियों की चर्चा की गई है ?

Ans तीन पेटियों की।

Q.10 सच्चा प्रेमी कौन सी पेटी को चुनता है ?

Ans लोहे की पेटी को।

Q.11 अध्यापक और बालक के पिता क्यों निराश हो गए ?

Ans क्योंकि उन्होंने सोचा था बालक पुस्तक की माँग करेगा।

Q.12 पाठशाला के प्रधान अध्यापक के पुत्र की आयु कितनी थी ?

Ans मात्र आठ वर्ष।

Scanned with CamScanner

Q. लघुउत्तरीय प्रश्नोत्तर

Q.1 बालक से उसकी उम्र और योग्यता से ऊपर के कौन-कौन से प्रश्न पूछे गए?

Ans पाठशाला के वार्षिकोत्सव में लेखक भी गया था। वहाँ प्रधान अध्यापक के आठ वर्षीय पुत्र की बुद्धि की नुमाइश की गई थी। उसे सबसे अधिक बुद्धिमान बताकर पेश किया गया। इसकी जाँच के लिए उससे वे प्रश्न पूछे गए जिनके उत्तर उसे पहले ही रटा दिए गए थे। बालक न तो उन प्रश्नों को समझता था। और न उत्तरों को जानता था। फिर भी उसने सभी प्रश्नों के उत्तर उगल दिए। उससे ऐसे - ऐसे प्रश्न पूछे गए जो उसकी आयुवर्ग के लिए व्यर्थ थे। बालक रटे हुए उत्तर दे रहा था। लेखक को यह अच्छा नहीं लग रहा था। हाँ, जब बालक ने इनाम में लड्डू माँगा तब वह प्रसन्न हुआ, क्योंकि यह बालक की स्वाभाविक इच्छा का परिचायक था।

Q. 2 "बालक बच गया। उसके बचने की आशा है क्योंकि वह 'लड्डू' की पुकार जीवित वृक्ष के हरे पत्तों का मधुर मर्मर थे, मरे काठ की अलमारी की सिर दुखाने वाली खड़खड़ाहट नहीं।" कथन के आधार पर बालक की स्वाभाविक प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए।

Ans यह बात बिल्कुल सही है कि बालक का मन चंचल होता है वह सरल हृदय का होता है। लड्डू माँगने की उसकी इच्छा उसकी प्रवृति का द्योतक है। वह अपनी दृष्टि से संसार को देखता - परखता और समझता है। न की बालक अभी भारी ज्ञान के बोझ को उठाने के उपयुक्त नहीं होता। बड़ों की भाँति पुस्तकीय ज्ञान ठूँस दिए जाने से बच्चो की स्वाभाविकता एवं सहजता खत्म हो जाती है। अर्थात जब वह किसी खेल की बात करता है तब उसमें जीवंतता का अहसास होता है। बालक को अपनी अलमारी में पुस्तकें नहीं, खिलौने चाहिए। यदि हमने उसकी इस ~~स्वामि~~ स्वाभाविक माँग को समझ लिया तो हम उसका सहज विकास कर सकेंगे।

Q. दीर्घ उत्तरीय प्रश्नोत्तर

Q.1 मिट्टी के ढेलों के संदर्भ में कबीर की साखी की व्याख्या कीजिए :-

पत्थर पूजे हरि मिलें तो तू पूज पहार।
इससे तो चक्की भली, पीस खाय संसार॥

Ans पंडित - चंद्रधर शर्मा गुलेरी ने अपनी ढेले चुन लो रचना के माध्यम से समाज की रूढ़ि परम्परा एवं अंधविश्वास पर व्यंग्य किया है। कबीर की इस साखी में बताया गया है कि पत्थर के पूजने से भगवान नहीं मिलते। यदि पत्थर को पूजने से भगवान मिल जाये तो मैं तो पहाड़ को पूजने लगूँ, पर यह व्यर्थ है। वर - वधु की योग्यता या अयोग्यता के निर्धारण में मिट्टी के ढेले का महत्व देता। अनुचित है। पत्थर का उपयोग तो आटा पीसने की चक्की में अच्छा होता है क्योंकि उसके आटे से लोगों का भोजन बनता है। यही बात मिट्टी के ढेलों पर भी लागू होता है। मिट्टी के ढेलों की बात भी एक ढोंग से बढ़कर कुछ नहीं है।

Scanned with CamScanner

Date
Page

धर्म

Q.2 घड़ी समय का ज्ञान कराती है। क्या संबंधी मान्यताएँ या विचार अपने समय का बोध नहीं कराते ?

Ans लेखक ने धर्म का रहस्य जानने के लिए घड़ी के पुर्जे का दृष्टांत दिया है। यह बात पूर्णतः सत्य है कि जब धर्म पर मुट्ठी भर लोगों का आधिपत्य हो जाता है तब धर्म संकुचित हो जाता है। धर्म संबंधी मान्यताएँ या विचार अपने-अपने समय का बोध नहीं कराते हैं। धर्म तो शाश्वत होता है। कालजयी, सार्वदेशिक होता है। इसलिए धर्म के विषय में जिज्ञासा हो तो धर्माचार्यों से जानो स्वयं नॉसिखिए की तरह धर्म की घड़ियां मत उधेड़ो या उसके पुर्जे-पुर्जे खोलकर मत बिखेरो।

Q. स्वयं करें H.W

Q.1 बालक की स्वाभाविक प्रवृत्तियों के विकास में 'रटना' बाधक है?

Scanned with CamScanner